Regarding Medical education

श्री उम्मेदा राम बेनीवाल **(**बाड़मेर**) :** सभापति महोदय, सबसे पहले मैं समस्त देशवासियों को होली की शुभकामनाएं देता हूं । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान शिक्षा से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं । देश के अंदर एमबीबीएस छात्रों को योग्य मेडिकल फैकल्टी की बजाए नॉन-क्लिनिकल ग्रेजुएट्स द्वारा पढ़ाया जा रहा है । बुनियादी ढांचे की भारी कमी है । जिससे छात्र यूट्यूब चैनलों पर निर्भर रहना पड़ता है । चिकित्सा सेवा केवल एआई के भरोसे नहीं दी जा सकती है । अच्छी फैकल्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है ।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने अगले पांच वर्षों में 75 हजार मेडिकल के पद बढ़ाये गए हैं, लेकिन मौजूदा मेडिकल कॉलेजों के अपग्रेडेशन की आवश्यकता है ।